पैरागन कान्वेंट स्कूल

कक्षा 3

पाठ - २

चलना ही ज़िंदगी है

कठिन शब्द

1. सुनसान
2. टिक - टिक
3. ज़िंदगी
4. रुमाल
5. टूटी - फूटी
6. स्टोर
7. अँगड़ाई
8. अलार्म
9. परिश्रम
10. होमवर्क
11. चुस्ती - फ़ुर्ती
12. नवाब

२ शब्द अर्थ

पुस्तक के पृष्ट क्रमांक 18 से देखकर स्वयं करें।

3 दिए गए शब्दों के वाक्य स्वयं बनाए।

1. टिक - टिक
2. ज़िंदगी
3. दुकानदार
4. अलार्म

४ लघु उत्तरीय प्रश्न -

क) घड़ी की सुइयाँ क्यों नाराज़ थी?

उत्तर - घड़ी की सुइयाँ आर्यन को सोता देख और स्वयं को लगातार काम करता देख नाराज थीं।

ख) बड़ी सुई ने छोटी सुई से क्या कहा?

उत्तर - बड़ी सुई ने कहा - मैं तो चलते-चलते तंग आ गई हूँ। एक पल के लिए भी आराम नहीं। एक ही दायरे में गोल-गोल घूमते-घूमते मैं तो ज चुकी हूँ। यहाँ आर्यन का कुत्ता शेरू भी मौज से सो रहा है, पर हमें चैन नहीं मिलनेवाला।

ग) घड़ी ठीक कराने के लिए बाज़ार कौन ले गया ?

उत्तर - घड़ी ठीक कराने के लिए बाज़ार आर्यन के पापा ले गए।

घ) घड़ी चेक करने के बाद दुकानदार ने क्या बोला?

उत्तर - दुकानदार ने बोला ," घड़ी में तो कोई खराबी नहीं दिख रही है पर यह पता नहीं चल पा रहा है की चल क्यों नहीं रही है ? लगता है पुरानी हो गए है।"

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न -

क) घड़ी की सुइयाँ क्या बातें कर रही थी ?

उत्तर - कैसी हो छोटी सूई?" "बस, मैं ठीक हूँ, तुम कहो।" अँगड़ाई लेकर छोटी सुई ने उत्तर दिया।

ख) घड़ी की सुइयों को बाद में क्या एहसास हुआ ? उन्होंने क्या सीख ली ?

उत्तर - घड़ी की सुइयों को यह एहसास हुआ कि कामचोर और आलसियों का इस दुनियां में कोई काम नहीं और हमें सदा काम करते रहना चाहिए, इसी का नाम ज़िन्दगी है।

ग) घड़ी और मनुष्य जीवन में क्या समानता है?

उत्तर - घड़ी और मनुष्य दोनों के जीवन में एक समानता है कि काम करते रहने पर दोनों का महत्व है अन्यथा दोनों की जिंदगी बेकार है।

पुस्तक कार्य (पृष्ट क्रमांक- 19,20)

1 **सही विकल्प चुनिए -**

क) आर्यन ख) टिक - टिक ग) ज़िंदगी

2 खली स्थान भरो -

क) तंग ख) ज़िंदगी का ग) दम घ) महत्व

भाषा बोध (व्याकरणिक ज्ञान)

१ पाठ में आये अंग्रेजी शद्ब लिखो -

अलार्म होमवर्क स्टोर रूम

२ मूल शब्द और प्रत्यय अलग करो-

मूल शब्द	प्रत्यय
दुकान	दार
हवा	दार
खेल	ता
भारतीय	ता

३ मूल शब्द और उपसर्ग अलग करो –

उपसर्ग	मूल शब्द
आ	राम
परि	श्रम

अ	भागा
अप	मान